साइबर शिक्षा फॉर साइबर सुरक्षा अवार्ड्स का आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। वैश्विक साइबर सुरक्षा समाधान प्रदाता क्विक हील ने आज अपनी सीएसआर पहल के माध्यम से मुंबई में साइबर शिक्षा फॉर साइबर सुरक्षा अवार्ड्स का आयोजन किया। इस पुरस्कार समारोह में उन शिक्षण संस्थाओं, शिक्षकों और विद्यार्थियों के उल्लेखनीय योगदान पर आभार प्रकट किया गया, जिन्होंने स्वेच्छा से समाज के उपेक्षित लोगों के बीच साइबर सुरक्षा पर जागरूकता फैलाई। यह पुरस्कार क्विक हील फाउंडेशन की चेयरपर्सन सुश्री अनुपमा काटकर और भाग लेने वाले 4 संस्थानों के शिक्षकों की उपस्थिति में दिये गये।

पुरस्कार समारोह का आयोजन वालिया कॉलेज अंधेरी, मुंबई में किया गया। स्वेच्छा से भाग लेने वाले संस्थाओं में अलमुरि रतनमाला इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, आसनगांव, केआइएचईएस का महाराष्ट्र कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स, मुंबई, वीपीएम का बी.एन. बांडोडकर कॉलेज ऑफ सांइस, ठाणे और वालिया सी.एल. कॉलेज ऑफ कॉमर्सएवं एल.सी. वालिया कॉलेज ऑफ आर्ट्स, अंधेरी मुंबई शामिल थे। इस समारोह में स्वेच्छा से भाग लेने वाले संस्थानों के 100 से अधिक स्टूडेंट्स ने शिरकत की।

कॉलेज, शिक्षक और विद्यार्थियों को अलग-अलग श्रेणियों में पुरस्कृत किया गया, जिनके विजेताओं का चयन कॉलेज से मिले उस डाटा के आधार पर हुआ, जिसमें कंपनी के साइबर शिक्षा फॉर साइबर सुरक्षा प्रोग्राम में सक्रिय भागीदारी के तहत कार्यवाही, गतिविधियों और पहुँच के प्रयासों का वर्णन था। क्विक हील फाउंडेशन की वेबसाइट पर इसी काम के लिये एक वोटिंग पेज बनाया गया था, जहाँ नॉमिनेटेड प्रस्तुतियों को वीडियो क्लिप्स के रूप में पोस्ट किया गया था। क्विक हील फाउंडेशन की चेयरपर्सन और क्विक हील टेक्नोलॉजीस लिमिटेड में ऑपरेशनल एक्सीलेंस की चीफ सुश्री अनुपमा काटकर ने कहा, हमारा उद्देश्य सिक्योरिंग फ्यूचर्स कई लोगों और संस्थाओं के संयुक्त प्रयासों के माध्यम से ही संभव होता है। आज मैं हमारे सभी भागीदारों को हार्दिक धन्यवाद देती हूँ, जिनमें डीएससीआई, महाराष्ट्र साइबर और स्थानीय पुलिस शामिल है और जिन्होंने साइबर शिक्षा फॉर साइबर सुरक्षा पहल को अपना अमूल्य सहयोग दिया है। और निश्चित तौर पर, मुंबई में इन पुरस्कारों के साथ, हम अपने योद्धाओं, यानि कि विद्यार्थियों, आगे रहकर काम करने वाली शिक्षण संस्था और शिक्षकों के बेहतरीन काम के लिये आभार प्रकट करते हैं, जिन्होंने ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुँचते हुए सभी के बीच साइबर सुरक्षा पर जागरूकता फैलाई है।